345
वाँ अंक
ISSN No. : 2320-2300

भूत-वर्तमान-भविष्य की जानकारी देने वाली कर्णपिशाची मन्त्र साधना

www.jyotishsagar.in

ज्योतिष की राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

ज्योतिष सागर

नवम्बर, 2025 (वर्ष 29 अंक 09) • ₹ 80

सम्पादक : अवनीश पाण्डेय

तांत्रिक साहित्य : आगम, तंत्र और संहिताएँ

तन्त्रसारोक्त महागणेश मन्त्र साधना

अन्नपूर्णेश्वरी मन्त्र प्रयोग! जब हुआ भगवती अन्नपूर्णा का चमत्कार!

और जब हनुमान जी ने ताम्रपत्र निकाल कर दिया!

जानें वह गुप्त हनुमत्साधना, जिसे श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया

धन-समृद्धिदायक लक्ष्मीमंत्र साधना

गुलजार : जीवन यात्रा, ग्रह-योगों और दशाओं का साथ

प्रसिद्धि से भय तक : कैप्स कैफे की अनोखी कहानी

तन्त्र-मन्त्र पर विशेष

नीचराशिस्थ मंगल के फल

सूक्ष्म शरीर एवं उसकी असीम शक्ति

बिना तोड़फोड़ वास्तुदोष निवारण का उपाय

रावण ने किस मुहूर्त में किया सीता जी का अपहरण और हो गया नष्ट?

पुरश्चरण विधान

मन्त्र साधना में न्यास का महत्त्व

सूक्ष्म शरीर एवं उसकी असीम शक्ति

सावित्री उपासना से विजय और कीर्ति प्राप्ति साधना विधान

मुहूर्त सागर • मासिक राशिफल • मानसपीठ • उत्तरकालामृत • तीर्थयात्रा • मूल-पाया ज्ञान

Jyotish Sagar (Monthly Magazine), November 2025 • Date of Publication : 20 October 2025

CamScanner

29 YEAR
28 साल बेमिसाल 1997 से सतत

ज्योतिष सागर

नवम्बर, 2025 वर्ष : 29 अंक : 9

RNI No. : 65850/97 ISSN No. : 2320-2300
Postal Regd. No. Jaipur City / 422 / 2025-27

मूल्य : ₹80 वार्षिक शुल्क : ₹850

प्रधान संपादक
अवनीश पाण्डेय

सहायक संपादक	राजरानी पाण्डेय
कम्प्यूटर डिजाइनर	कुलेश कुमार शर्मा
मार्केटिंग एडवाइजर	सुरेश विन्दल
प्रोडक्शन	सन्तकुमार शर्मा

संपादक से पत्राचार हेतु पता

संपादक, ज्योतिष सागर
75/01, शिप्रापथ, मानसरोवर,
जयपुर-302020 (राज.)

Phone : 09772333388
09772333366

Mail : jyotishsagar@gmail.com
web : www.jyotishsagar.in
www.facebook.com/jyotishsagar

© सर्वाधिकार सुरक्षित

स्वत्वाधिकारी ज्योतिष सागर प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अवनीश पाण्डेय द्वारा राज क्लॉक, करतारपुरा इण्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 150/एस-23, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित।

घोषणा एवं शर्तें : समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। ज्योतिष सागर में प्रकाशित लेखों, चित्रों, विज्ञापनों एवं अन्य सामग्री से संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल सम्बन्धित लेखक का ही दायित्व होगा। अनामंत्रित, अप्रकाशित लेख वापस नहीं भेजे जाएँगे। पत्रिका में दिए गए ज्योतिषीय एवं तंत्रोक्त उपाय यद्यपि अनुभूत एवं शास्त्रोक्त होते हैं, परन्तु किसी कारणवश उनका फल न मिले, तो इसके लिए संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक उत्तरदायी नहीं होंगे। पत्रिका में दी गई कुण्डलियाँ यथालब्ध सूचना के आधार पर निर्मित की जाती हैं। उनकी सत्यता से संबंधित कोई विवाद स्वीकार्य नहीं होगा। निःशुल्क ज्योतिष परामर्श एवं अन्य स्थानों पर की गई भविष्यवाणियाँ एवं तत्संबंधी उपाय ज्योतिष के शास्त्रीय सिद्धान्तों के अनुरूप हैं। व्यवहार में इनके घटने और उपायों से लाभ होने के संबंध में किसी भी प्रकार के विवाद को स्वीकार नहीं किया जाएगा। विज्ञापन में किए गए दावे एवं उनसे सम्बन्धित सामग्री के असली होने आदि का दायित्व प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का नहीं होगा। इस सम्बन्ध में पाठक स्वयं सुनिश्चित होकर ही ऑर्डर करें। पत्रिका किसी अंधविश्वास का समर्थन या बढ़ावा नहीं करती।

तन्त्र-मन्त्र पर विशेष

08 तान्त्रिक साहित्य : आगम, तंत्र और संहिताएँ
15 शत्रुबाधा शमन हेतु श्रीबगला-मृत्युंजय प्रयोग
22 तन्त्रसारोक्त महागणेश मन्त्र साधना
24 भूत-वर्तमान-भविष्य की जानकारी देने वाली कर्णपिशाची मन्त्र साधना
25 अन्नपूर्णेश्वरी मन्त्र प्रयोग! जब हुआ भगवती अन्नपूर्णा का चमत्कार!
26 धन-समृद्धिदायक लक्ष्मीमंत्र साधना
28 जानें वह गुप्त हनुमत्साधना, जिसे श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया
29 और जब हनुमान जी ने ताम्रपत्र निकाल कर दिया!
30 परामनोविज्ञान पर विशेष : सूक्ष्म शरीर एवं उसकी असीम शक्ति
34 सावित्री उपासना से विजय और कीर्ति प्राप्ति साधना विधान
49 ज्योतिष और तन्त्र
67 तन्त्र का विज्ञान और उसके तत्त्व
89 आत्मदीपो भव
90 मन्त्र साधना में न्यास का महत्त्व
93 पुरश्चरण विधान

ज्योतिष एवं अन्य

18 गुलजार : जीवन यात्रा, ग्रह-योगों और दशाओं का साथ
32 मुहूर्त ज्योतिष : रावण ने किस मुहूर्त में किया सीता जी का अपहरण और हो गया नष्ट? 'विन्द मुहूर्त' और उसके फल
33 जानें पं. नेहरू की पहली जन्मपत्रिका किसने और कहाँ बनाई?
40 फलित ज्योतिष : जन्मपत्रिका में नीचराशिस्थ ग्रहों के फल : एक विस्तृत अध्ययन (भाग-15) : नीचराशिस्थ मंगल के फल (भाग-3)
43 नवांश से विवाह विवेचन
64 उत्तरकालामृत : प्रथमकाण्ड षष्ठखण्डः - दशाफलखण्डः (भाग-2) विंशोत्तरी दशा गणना पद्धति
68 विभिन्न भावों में ग्रहों के 12 प्रकार से फल : द्वितीय भाव में ग्रहों के 12 प्रकार से फल
72 कैसे करें सटीक फलादेश (भाग-221) : सिंह लग्न के नवम भाव में स्थित बुध एवं गुरु के फल

78 भाग-2 : नवम से षोडश अध्याय : शंकरविजयविलास दिग्दर्शन : चिद्विलासमुनिकृत श्रीशंकराचार्य-जीवन चरित्र का कथासार
82 ज्योतिष की प्रमुख अवधारणा 'तिथि'

वास्तुशास्त्र

35 वास्तुशास्त्र : प्रसिद्धि से भय तक : केप्स कैफे की अनोखी कहानी
36 वास्तु-उपाय : बिना तोड़फोड़ वास्तुदोष निवारण का उपाय
37 सरल वास्तुशास्त्र : भाग-2 : वास्तुपुरुष और वास्तु में पदीय विन्यास
74 वास्तु चर्चा : सोपान से शिखर तक हर कदम में छिपा है भाग्य का संकेत

स्थायी स्तम्भ

06 पाठक मंच
07 अपनी बात
46 व्रत-पर्व-त्योहार : मंथ प्लानर : नवम्बर, 2025
50 मासिक पंचांग : नवम्बर, 2025
52 दैनिक निरयण ग्रहस्पष्ट : नवम्बर, 2025
53 मुहूर्त सागर
76 मानसपीठ : लंकाकाण्ड : पाँचवें दिन का युद्ध : लक्ष्मण-रावण युद्ध
85 मासिक राशिफल
88 निःशुल्क ज्योतिष परामर्श
94 नवम्बर, 2025 में जन्मे बच्चों के नामाक्षर, पायादि का ज्ञान
96 तीर्थयात्रा : गुजरात की आस्था का अद्भुत तीर्थ : डाकोर का रणछोड़राय मन्दिर

ज्योतिष सागर पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करने हेतु फोन करें
09772333366

सब्सक्राइब कीजिए

भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय ज्योतिष पत्रिका

ज्योतिष सागर

सफलतम 29वाँ वर्ष

हर अंक एक विशेषांक

- घटनाओं-चुनावों आदि का ज्योतिषीय पूर्वाकलन
- विद्वानों के लिए ज्योतिष आदि पर शोध-आलेख
- परिवार के लिए व्रत-पर्व मनाने की शास्त्रोक्त विधियाँ
- मुहूर्त का रेडीरेकनर 'मुहूर्त सागर'
- मासिक पंचांग, मासिक राशिफल, मूल-पाया ज्ञान इत्यादि
- दैनिक उपयोगी जानकारी से भरपूर

सदस्यता शुल्क (प्रिंट एडिशन)

साधारण डाक से
वार्षिक 850 रुपए

कोरियर से
वार्षिक 1,250 रुपए

पंजीकृत डाक से
वार्षिक 1,250 रुपए

सदस्यता शुल्क (डिजीटल एडिशन)

एक प्रति 50 रुपए
वार्षिक 600 रुपए

सदस्य बनने हेतु निम्नलिखित बैंक अकाउंट में भुगतान करें अथवा QR Code स्कैन करके भी भुगतान किया जा सकता है।

Bank	: HDFC Bank
A/c No.	: 50200026999161
Name	: Jyotish Sagar Pvt. Ltd.
Branch	: Madhyam Marg, Mansarovar, Jaipur
IFSC Code	: HDFC0003741
Type of A/c	: Current